कक्कू

नाम ही नाम

- **तुम अपना नाम लिखो और बताओ कि तुम्हारे नाम का क्या मतलब है।**

उत्तर मेरा नाम विशाल है जिसका अर्थ होता है बहुत बड़ा, विस्तृत।

तुम्हारे कितने नाम

तुम्हें लोग और किन-किन नामों से बुलाते हैं?

प्यार वाला नाम	चिढ़ाने वाला नाम	दोस्तों का दिया नाम
विशु	विसात	विशालु
....	....	....

- **सोचो और लिखो कि किसी-किसी को नीचे दिए गए नामों से क्यों बुलाया जाता होगा?**

गप्पू वह बकबक करने वाला होगा।
भोली वह बहुत सीधी-सादी होगी।
छुटकी वह घर में सबसे छोटी होगी।
गोलू वह गोल मटोल होगा।

- **अब बताओ तुम्हारा कौन-सा दोस्त, कौन-सी सहेली**

भक्कू है सोनु, वीणा
झक्कू है अमित, रोहित
गप्पू है सौरभ, रणजीत

अब कविता का समय

कक्कू वह जो सदा हँसाए
रोना उसे ज़रा न आए
चिड़िया के संग गाना गाता
संग मोर के नाचे
इसीलिए तो कभी-कभी हम
कहते उसको कक्कू।

कक्कू क्या है?

कक्कू कोयल जैसा क्यों नहीं है? लिखो।

उत्तर कक्कू कोयल जैसा इसलिए नहीं है क्योंकि वह दिनभर रोता रहता है, हमेशा मुँह फुलाए रहता है, कोयल की तरह मीठे बोल नहीं बोलता बल्कि झगड़ा करता रहता है। जरा-जरा सी बात पर भड़क उठता है।

नामों की रेल

पाँच-पाँच बच्चों की टोली बना लो। अब अपनी-अपनी टोलियों के बच्चों के नाम रेल के डिब्बों में लिखो।

वर्णमाला याद है न? चलो अब इन नामों को वर्णमाला के हिसाब से क्रम में लगाते हैं।

गोलू निम्मी राजू रंजन सीमा

चिढ़ाना

क्या तुम्हें भी कोई चिढ़ाता है? तब तुम्हें कैसा लगता है? कक्षा में चर्चा करो।

उत्तर यों तो मैं कक्कू जैसा बिल्कुल नहीं हूँ। फिर भी मेरे दोस्त मुझे चिढ़ाते रहते हैं। लेकिन मुझे बुरा नहीं लगता क्योंकि मुझे पता है कि वे मुझे सिर्फ ऊपर-ऊपर चिढ़ाते हैं। अंदर से वे मुझे बहुत प्यार करते हैं। दूसरे बच्चों के सामने मेरी बड़ाई करते हैं।